नव भारत
| संस्थापक : स्व. रामगोपाल माहेश्वरी | प्रेरणा स्त्रोत : स्व. प्रफुल्ल माहेश्वरी |

मोदी शासन : विकसित भारत की कोशिश के 25 वर्ष

17 सितंबर से भारतीय जनता पार्टी पूरे देश में सेवा संकल्प अभियान की शुरुआत करने जा रही है . यह प्रधानमंत्री के जन्मदिन के उपलक्ष्य में किया जा रहा है . और अगले माह 7 अक्टूबर को उनके मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री कार्यकाल के 25 वर्ष भी पूर्ण होने जा रहे हैं . ऐसा करने वाले वे देश के इकलौते नेता हैं . उन्होंने इस दौरान अनेक प्रतिमान और राजनीति में अनेक नए ट्रेंड स्थापित किए हैं . मजबूत, सुरक्षित और आधुनिक भारत बनाने में उनका योगदान अभूतपूर्व रहा है . उन्होंने सुशासन के भी नए आयाम स्थापित किए हैं .

दरअसल, गुजरात से शुरू हुई मोदी की राजनीतिक यात्रा ने राष्ट्रीय राजनीति में नेतृत्व की ऐसी शैली स्थापित की, जिसमें सुशासन, तकनीक, आत्मनिर्भरता, राष्ट्रवाद, संगठन और वैश्विक स्तर पर भारत की भूमिका एक-दूसरे से जुड़े दिखाई देते हैं . नरेंद्र मोदी संभवत: विश्व के इकलौते नेता हैं, जिन्होंने पिछले 25 वर्षों में एक दिन भी अवकाश नहीं लिया है . यही निरंतरता उनके व्यक्तित्व में अनुशासन, कार्यक्षमता और दृढ़ संकल्प की छवि को मजबूत करती है . मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के रूप में लगातार सक्रिय रहना उनकी कार्यशैली की पहचान बना है . सत्ता के शीर्ष पर इतने लंबे समय तक सक्रिय रहना अपने आप में उनकी राजनीतिक यात्रा का महत्वपूर्ण पक्ष है . सुशासन के क्षेत्र में मोदी सरकार की सबसे ठोस उपलब्धियों में सरकारी योजनाओं को सीधे नागरिक तक पहुंचाने वाली डिजिटल व्यवस्था का विस्तार शामिल है .

जनधन खातों और आधार के विस्तार ने प्रत्यक्ष लाभ अंतरण को सीधे लाभार्थियों के खातों तक पहुंचाने का रास्ता मजबूत किया है . इससे बिचौलियों पर निर्भरता घटाने और सरकारी भुगतान को अधिक पारदर्शी बनाने की कोशिश हुई है . वहीं यूपीआई ने डिजिटल भुगतान को बैंकिंग क्षेत्र से निकालकर छोटे दुकानदार, रेहड़ी-पटरी वाले और सामान्य उपभोक्ता तक पहुंचाया है . बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में भी सड़क, रेल, बंदरगाह, हवाई अड्डे और डिजिटल कनेक्टिविटी पर बड़े पैमाने पर निवेश हुआ है . आत्मनिर्भर भारत, मेक इन इंडिया और वोकल फॉर लोकल के जरिए घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देने की कोशिश हुई . रक्षा क्षेत्र में घरेलू उत्पादन और निर्यात बढ़ाने पर जोर दिया गया है . बाह्य सुरक्षा के मोर्चे पर सर्जिकल स्ट्राइक और बालाकोट एयर स्ट्राइक जैसे फैसलों ने आतंकवाद के जवाब में सरकार की निर्णायक नीति को सामने रखा . मिशन शक्ति, चंद्रयान और गगनयान जैसे कार्यक्रमों ने भारत की वैज्ञानिक और रणनीतिक क्षमताओं को नई पहचान दी है . नरेंद्र मोदी के 25 वर्षों का एक महत्वपूर्ण अध्याय भाजपा के संगठनात्मक विस्तार से भी जुड़ा है . बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत करना, तकनीक आधारित चुनावी प्रबंधन और लाभार्थियों से सीधा संपर्क भाजपा की राजनीतिक शैली के प्रमुख हिस्से बने हैं .

विदेश नीति के मोर्चे पर उनकी सबसे बड़ी सफलता यह है कि आज भारत विश्व मंच पर मजबूती से अपनी बात रख रहा है . विभिन्न वैश्विक मंचों पर भारत की मौजूदगी और सक्रियता बढ़ी है . प्रधानमंत्री ने सुशासन का ऐसा मॉडल विकसित करने की कोशिश की है, जिसके प्रमुख तत्व निर्णय लेने की मजबूती, योजनाओं का क्रियान्वयन, निरंतर विकास, डिजिटाइजेशन और पारदर्शिता हैं . जाहिर है, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सत्ता और संगठन में नए प्रतिमान और कीर्तिमान स्थापित किए हैं . मुख्यमंत्री से प्रधानमंत्री तक 25 वर्षों की यह यात्रा केवल समय की लंबी अवधि नहीं, बल्कि शासन और राजनीति की बदलती कार्यशैली का भी प्रतीक है .

पीएम मोदी ने वैश्विक मंच पर बढ़ाई भारत की प्रतिष्ठा

डॉ . मोहन यादव

नरेन्द्र मोदी के गुजरात के मुख्यमंत्री से लेकर प्रधानमंत्री के रूप में ढाई दशक की गौरवपूर्ण यात्रा पर विशेष राजनीति के मैदान में ऐसे अनेक नेता और जननेता हुए हैं, जिन्होंने अपने-अपने क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान दिया. इनमें कुछ अपनी प्रशासनिक क्षमता के लिए जाने गए, तो कुछ ने अपने राजनीतिक कौशल से अलग पहचान बनाई. लेकिन ऐसे नेता विरले ही होते हैं, जो संगठन से निकलकर मुख्यमंत्री के रूप में अपनी राजनीतिक और प्रशासनिक कार्यकुशलता की मिसाल कायम करें और आगे चलकर प्रधानमंत्री के रूप में न केवल देश की राजनीति और शासन-व्यवस्था को नई दिशा दें, बल्कि वैश्विक मंच पर भारत की प्रतिष्ठा और प्रभाव को भी नई ऊंचाइयों तक पहुंचाये. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का सार्वजनिक जीवन ऐसी ही असाधारण यात्रा का उदाहरण है. गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में लगभग 13 वर्षों तक उन्होंने शासन की एक ऐसी शैली विकसित की, जिसमें विकास, सुशासन और जनभागीदारी को केंद्र में रखा गया. इसके बाद वर्ष 2014 में देश के प्रधानमंत्री का दायित्व संभालने के बाद उन्होंने भारत को आत्मनिर्भर, सुरक्षित, समृद्ध और विश्व में प्रभावशाली राष्ट्र बनाने की दिशा में अनेक महत्वपूर्ण कदम उठाए. उनकी कार्यशैली की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि वे परिस्थितियों को केवल देखते नहीं, बल्कि उनमें परिवर्तन लाने का प्रयास करते हैं. दुनिया की राजनीति में कहाँ मौन रहना है, कहाँ अपनी बात स्पष्ट रूप से रखनी है और कहाँ दृढ़ता के साथ भारत के हितों की रक्षा करनी है. इसका संतुलन प्रधानमंत्री मोदी ने अपनी विदेश नीति में लगातार प्रदर्शित किया है. भारत की रणनीतिक स्वायत्तता और राष्ट्रीय हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए उन्होंने विश्व के विभिन्न शक्ति-केंद्रों के साथ भारत के संबंधों को मजबूत किया है. आज भारत विश्व राजनीति में एक प्रभावशाली शक्ति के रूप में अपनी भूमिका निभा रहा है. अमेरिका और रूस जैसे देशों के साथ संबंधों में संतुलन बनाए रखना हो, पश्चिम एशिया में भारत के हितों की रक्षा करनी हो या रूस-यूक्रेन संघर्ष जैसे जटिल अंतरराष्ट्रीय विषयों पर शांति और संवाद का पक्ष रखना हो, प्रधानमंत्री ने भारतीय दृष्टिकोण को मजबूती से दुनिया के सामने रखा है. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व की एक महत्वपूर्ण विशेषता यह भी रही है कि संकट के समय भारत ने केवल अपने नागरिकों की ही चिंता नहीं की, बल्कि मानवता के प्रति अपने दायित्व को भी निभाया. कोरोना महामारी के कठिन दौर में भारत ने जिस प्रकार अपने नागरिकों की सुरक्षा और जरूरतों का ध्यान रखा, वह अभूतपूर्व था. इसके साथ ही भारत ने अनेक देशों को दवाइयाँ, वैक्सीन और अन्य आवश्यक सहायता उपलब्ध कराई. श्रीलंका, नेपाल, मालदीव और अफगानिस्तान जैसे पड़ोसी देशों से लेकर तुर्किए तक, जब भी आवश्यकता पड़ी, भारत ने सहायता का हाथ बढ़ाया. राष्ट्रीय सुरक्षा के क्षेत्र में भी प्रधानमंत्री मोदी ने दृढ़ इच्छाशक्ति का परिचय दिया है. उरी हमले के बाद सर्जिकल स्ट्राइक और पुलवामा आतंकी हमले के बाद बालाकोट एयर स्ट्राइक ने यह स्पष्ट संदेश दिया कि भारत आतंकवाद को सहन करने वाला देश नहीं है. ऑपरेशन सिंदूर ने भी आतंकवाद के विरुद्ध भारत के संकल्प को दुनिया के सामने दृढ़ता से रखा.

हाल ही में दिल्ली में प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में दिल्ली में आयोजित ब्रिक्स सम्मेलन के माध्यम से भारत ने वैश्विक मंच पर स्वयं को एक संतुलित, व्यवहारिक और नीतिगत रूप से स्वायत्त राष्ट्र के रूप में मजबूती से स्थापित किया है. भारत की साख एक ऐसे देश के रूप में बनी है जो वैश्विक दक्षिण की आकांक्षाओं का प्रतिनिधित्व करता है और पश्चिमी देशों तथा पूर्वी शक्तियों के बीच संवाद का संतुलन बनाए रखने में सक्षम है. भारत ने यह स्पष्ट संदेश दिया है कि ब्रिक्स किसी पश्चिम-विरोधी गुट के रूप में नहीं, बल्कि एक समावेशी और सुधारात्मक बहुपक्षीय मंच के रूप में कार्य करता है. इसके अतिरिक्त, भारत के डिजिटल इंफ्रास्ट्रक्चर, आर्थिक विकास और आतंकवाद के प्रति कड़े रुख ने वैश्विक स्तर पर देश की विश्वसनीयता को और अधिक बढ़ाया है.

आयुष्मान भारत योजना ने गरीब और असहाय परिवारों के लिए गंभीर बीमारियों के उपचार को आर्थिक रूप से अधिक सुलभ बनाया. इसी प्रकार प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के माध्यम से करोड़ों जरूरतमंद परिवारों को खाद्यान्न उपलब्ध कराया गया. प्रधानमंत्री जी के लिए 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' केवल नारा नहीं, बल्कि शासन का मूल मंत्र रहा है.

प्रधानमंत्री मोदी ने भारत की अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाइयों तक ले जाने का संकल्प लिया. आज भारत दुनिया की प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में अपनी मजबूत स्थिति बना चुका है और तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में आगे बढ़ रहा है. मेक इन इंडिया, आत्मनिर्भर भारत, डिजिटल इंडिया और स्टार्टअप इंडिया जैसे अभियानों ने उत्पादन, तकनीक और नवाचार के क्षेत्र में नई संभावनाएँ पैदा की हैं. रक्षा उत्पादन और निर्यात में भारत की बढ़ती क्षमता इसका प्रमाण है. भारत ने अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में भी ऐतिहासिक उपलब्धियाँ हासिल की हैं. चंद्रयान-3 की सफलता और चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव के निकट सफल सॉफ्ट लैंडिंग ने पूरी दुनिया का ध्यान भारत की वैज्ञानिक क्षमता की ओर आकर्षित किया. प्रधानमंत्री जी का मानना है कि भारत की सबसे बड़ी शक्ति उसकी युवा आबादी है. युवाओं को कौशल, रोजगार, स्वरोजगार, स्टार्टअप और तकनीकी नवाचार के अवसर उपलब्ध कराने के लिए अनेक योजनाएँ संचालित की गई हैं. मुद्रा योजना ने छोटे उद्यमियों को वित्तीय सहायता उपलब्ध कराकर लाखों युवाओं को अपने पैरों पर खड़े होने का अवसर दिया. कौशल विकास और स्टार्टअप संस्कृति ने युवाओं में नौकरी खोजने के साथ-साथ रोजगार देने की भावना को भी मजबूत किया है.

महिलाओं के सशक्तीकरण के लिए भी प्रधानमंत्री ने अनेक महत्वपूर्ण कदम उठाए. उज्ज्वला योजना ने करोड़ों महिलाओं को रसोई के धुएँ से राहत दिलाई. प्रधानमंत्री आवास योजना ने महिलाओं को परिवार की संपत्ति में अधिक सम्मानजनक भागीदारी का अवसर दिया. महिला आरक्षण कानून ने राजनीति में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने की दिशा में ऐतिहासिक कदम रखा है. 'लखपति दीदी' अभियान के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने का प्रयास किया जा रहा है. यह केवल महिलाओं के आर्थिक सशक्तीकरण का कार्यक्रम नहीं, बल्कि ग्रामीण भारत के सामाजिक और आर्थिक परिवर्तन की दिशा में एक बड़ा कदम है. प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विकास के साथ-साथ भारत की सांस्कृतिक विरासत के प्रति समाज में आत्मविश्वास जगाने का कार्य किया है. 'विरासत के साथ विकास' की भावना के अनुरूप उन्होंने आधुनिक भारत को उसकी प्राचीन सांस्कृतिक जड़ों से जोड़ने का प्रयास किया है. योग, जो भारत की हजारों वर्ष पुरानी जीवन पद्धति है, उसे वैश्विक स्तर पर प्रतिष्ठा दिलाने में प्रधानमंत्री जी की भूमिका उल्लेखनीय रही है. उनके प्रयासों से संयुक्त राष्ट्र ने 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के रूप में मान्यता दी. आज दुनिया के अनेक देशों में करोड़ों लोग योग को अपने स्वस्थ जीवन का हिस्सा बना रहे हैं. यशस्वी प्रधानमंत्री के प्रयासों से अयोध्या में श्रीरामलला की प्राण-प्रतिष्ठा ने करोड़ों भारतीयों की आस्था और सांस्कृतिक चेतना को नई ऊर्जा दी. इसी प्रकार जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 के प्रावधानों को समाप्त करने का निर्णय राष्ट्रीय एकता और अखंडता की दृष्टि से ऐतिहासिक माना गया.

कहा गया है.....

'परिश्रम में जो तपा है, उसने ही तो इतिहास रचा है.
जिसने फौलादी चट्टानों को तोड़ा है,
उसने ही समय को मोड़ा है.
समय को मोड़ देने का भी यही समय है,
सही समय है. '

यह उद्घोष आज भारत के उस नेतृत्व के प्रति हमारे विश्वास को व्यक्त करता है, जिसने सेवा को साधना और राष्ट्र निर्माण को अपना ध्येय बनाया है. आइए, प्रधानमंत्री जी की 25 वर्षों की सेवा यात्रा के अवसर पर हम भी राष्ट्र निर्माण के इस महायज्ञ में अपनी आहुति देने का संकल्प लें. देश के लिए नई उम्मीदों का दीप जलाएँ, अपने सामर्थ्य के अनुसार योगदान दें और उस भारत के निर्माण में सहभागी बनें, जिसका सपना हमारे स्वतंत्रता सेनानियों और राष्ट्रनायकों ने देखा था.

(लेखक मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री हैं)

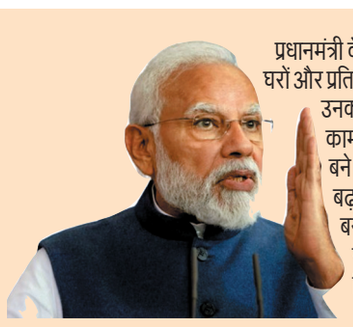

प्रधानमंत्री के जन्मदिन 17 सितंबर को हम सभी अपने घरों और प्रतिष्ठानों में आशीर्वाद का एक दीप जलाएँ और उनकी दीर्घायु, स्वस्थ एवं यशस्वी जीवन की कामना करें . यह दीप उस विश्वास का प्रतीक बने कि भारत की विकास यात्रा निरंतर आगे बढ़ती रहे, देश आत्मनिर्भर एवं शक्तिशाली बने और वर्ष 2047 तक विकसित भारत का संकल्प साकार हो . 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' की भावना के साथ विकसित और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण की यात्रा निरंतर आगे बढ़े, यही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिवस पर हमारी सबसे बड़ी शुभकामना है .

ग्वालियर चंबल डायरी

रामवरण के बाद मुन्नालाल भी छोड़ गए सिंधिया का शिविर

हरीश दुबे

लगता है कि ग्वालियर भाजपा में दोनों प्रतिद्वंदी खेमों नरेन्द्र सिंह और सिंधिया के कट्टर समर्थकों के बीच पाला बदल का खेल चल रहा है. पहले मुरार से एमएलए रह चुके पुराने नेता रामवरण सिंह महल के प्रति आस्थाओं को झटक कर नरेन्द्र सिंह के साथ चले गए और अब इसी कड़ी में मुरार के ही एक और बड़े सिंधिया समर्थक नेता मुन्नालाल गोयल का नाम जुड़ गया है. पहले उड़ती उड़ती खबर गरमाई कि मुन्नालाल अब सिंधिया शिविर छोड़कर नरेंद्र सिंह के अनुयायी बन गए हैं लेकिन जब सिंधिया खेमे के वफादारों की ओर से मुन्नालाल पर गद्दारी की तोहमत लगाते हुए उनके खिलाफ सोशल मीडिया प्लेटफार्म पर मुहिम छेड़ दी गई और मुन्ना समर्थकों द्वारा इसका कोई प्रतिवाद नहीं किया गया तो खबर को सही मान लिया गया. कहते हैं कि मुन्ना 23 के विधानसभा चुनाव के समय से ही महाराज से नाराज चल रहे हैं जब महल की गृहभूमि कही जाने वाली ग्वालियर पूर्व सीट से उनका टिकट काटकर सिंधिया परिवार की निकट संबंधी माया सिंह को दे दिया गया था. टिकट कट जाने के बाद मुन्ना समर्थकों ने बारादरी चौराहे पर बगावती तेवरों का इजहार भी किया था. हालांकि बाद में मुन्ना ने महाराज के कहने पर मायासिंह का प्रचार भी किया लेकिन वे जीत नहीं सकी थीं. बहरहाल, रामवरण और मुन्नालाल के बाद सिंधिया शिविर छोड़कर जाने वालों की फेहरिस्त में जल्द ही कुछ और नाम जुड़ सकते हैं.

न्यौता नहीं आया, तब भी इंदौर कूच कर रहे कांग्रेसी

किसी ने लिखा है 'बुलाने वाले ने जब बुलावा नहीं भेजा, हमने भी दर पर उसके आना छोड़ दिया.' लेकिन ग्वालियर चंबल के कांग्रेसवालों का इसमें यकीन नहीं है. राहुल गांधी के 19 को इंदौर में हो रहे छात्रों की गूंज कार्यक्रम का न्यौता अभी तक ग्वालियर के पार्टीवालों को नहीं पहुंचा है, लेकिन उन्हें इसका अफसोस नहीं है. दिल्ली से लेकर भोपाल तक पार्टी के हर प्रोग्राम में एक्टिव रहने वाले कांग्रेस नेताओं ने पहले इंदौर बुलावे का इंतजार किया, जब नहीं आया तो शुक्रवार के रोज मालवा नगरी के लिए कूच करने सामान पैक कर लिया है.

ग्वालियर के कांग्रेस सदर सुरेन्द्र यादव मानते हैं कि अभी तक पदाधिकारियों को आधिकारिक बुलावा तो नहीं आया है लेकिन हम किसी को जाने से रोक भी नहीं रहे हैं. ग्वालियर में छात्रों की गूंज मुहिम के प्रभारी की जिम्मेदारी संभाल रहे मितेंद्र दर्शन सिंह पहले ही इंदौर में डेरा जमा चुके हैं, जबकि कुलदीप कौरव समेत उनकी बाकी टीम आज कूच करेगी. ग्वालियर देहात कांग्रेस के सदर पीडी जौहरे सैकड़ों छात्रों को लेकर इंटरसिटी से रवाना हो रहे हैं. प्रदेश भर से पंजीयन तो करीब दो लाख हुए हैं लेकिन अंदरखाने, करीब 25 हजार के पहुंचने की उम्मीद जताई जा रही है. संभाग के हर जिले से करीब सौ-सौ जेन-जी को सिलेक्ट किया है सो अलग.

विधायक से आदिवासियों की नाराजगी का मामला पहुंचा भोपाल

डबरा ब्लॉक के आदिवासी परिवार अपनी बुनियादी समस्याओं को लेकर नगर पालिका से लेकर एसडीएम तक गुहार लगाने के बाद जब थक हार कर एक बार फिर से डबरा एसडीएम के दफ्तर पर धरना प्रदर्शन करने पहुंचे तो कई बार बुलाने के बावजूद विधायक सुरेश राजे नहीं आए, इस पर आदिवासी समाज भड़क गया है. आदिवासी नेता इस बात पर नाराज हैं कि वे अपनी समस्या कई बार विधायक को बता चुके हैं लेकिन वे न तो समस्या का निराकरण करा सके और जब उन्हें धरना प्रदर्शन की सूचना दी गई, वे तब भी नहीं आये. सुरेश राजे यहां से दूसरी बार विधायक चुने गए हैं और अब तीसरी बार की तैयारी कर रहे हैं.

निशानेबाज

विपक्षी दलों में फूट का नजारा बागियों को बीजेपी का सहारा

पड़ोसी ने हमसे कहा, 'निशानेबाज, हम लगातार आ रही टूट-फूट की खबरों से परेशान हैं. कभी परीक्षाओं के पेपर फूटते है तो कभी कोई अच्छी-भली पार्टी फूट जाती है. विधायक व सांसद फूटकर अलग गुट बनाते या सत्तारुढ़ पार्टी में शामिल हो जाते हैं. विपक्षी नेताओं की किस्मत फूटती चली जा रही है और बीजेपी की तकदीर का सितारा बुलंद होता जा रहा है.'

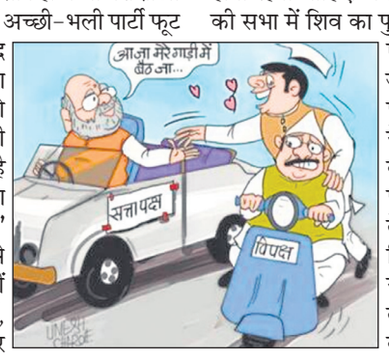

हमने कहा, 'टूट-फूट से घबराने की आवश्यकता नहीं है. घरों में शीशे की बोतलें, कप-सॉसर, क्रॉकरी, डिनर सेट हाथ से फिसलते ही टूट जाते हैं. आपने गीत सुना होगा- शीशा हो या दिल हो, आखिर टूट जाता है! खेल में पुराने रिकार्ड टूट जाते हैं. आर्थोपीडिक डॉक्टर रास्ता देखते रहते हैं कि गड्ढे वाली सड़क में किसी के हाथ-पैर की हड्डी टूटे और वह उनके पास इलाज के लिए आए.' पड़ोसी ने कहा, 'निशानेबाज, यदि चीजें टूटेंगी नहीं तो नई वस्तुओं का सृजन कैसे होगा? विध्वंस और निर्माण प्रकृति की लीला है. 4 युग बीतने के बाद प्रलय होता है और फिर से ब्रम्हा को नई सृष्टि का निर्माण करना पड़ता है. टूट-फूट या तोड़-फोड़ होती रहनी चाहिए. भगवान राम ने भी तो राजा जनक की सभा में शिव का पुराना धनुष तोड़ा था. रही बात एक पार्टी छोड़ कर दूसरी ज्वाइन करने की, तो ऐसा पहले भी होता रहा है. आम्भी ने पोरस से गद्दारी कर सिकंदर का साथ दिया था. जयचंद ने पृथ्वीराज चौहान को दगा देकर मोहम्मद गोरी से हाथ मिला लिया था. मीर जाफर ने नवाब सिराजुद्दौला से दगाबाजी कर ईस्ट इंडिया कंपनी का साथ दिया था. कुछ लोग खुद्दार होते हैं तो कुछ गद्दार! इनके बगैर इतिहास नहीं बनता.' हमने कहा, 'मौकापरस्त या अवसरवादी नेता धन के लोभ या पद के मोह में पड़कर अपनी पार्टी से विश्वासघात करते है. देश में विपक्ष लगातार टूट रहा है. ममता, केजरीवाल और उद्धव ठाकरे को पार्टियों में पतझड़ आ गया. बगावत करनेवाले बीजेपी की गोद में बैठ रहे हैं. विपक्षी नेताओं का दिल कह रहा है- वफा जिनसे की, बेवफा हो गए, वो वादे मोहब्बत के क्या हो गए !'

संपादकीय बोर्ड | प्रबंध संपादक : सुमीत माहेश्वरी, समूह संपादक : क्रांति चतुर्वेदी

CROSS WORD 12382

- डॉ. सागर खादीवाला

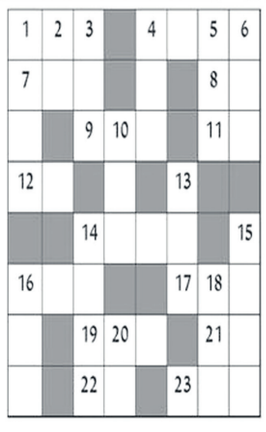

बाएं से दाएं

1. बिगड़ा हुआ, भद्दा (सं.) 4. अदल-बदल, परिवर्तन (सं.) 7. किसी वास्तविक या कल्पित आधार पर बनाई हुई मूर्ति चित्र या पत्थर की बनी देवीमूर्ति 8. मदिरापान कराने वाला 9. राज्य के कार्यों की व्यवस्था तथा संचालन 11. ईसाई भक्तिन अथवा तपस्विनी (अं.) 12. उत्सव, अवसर तथा पुण्यकाल 14. एक प्रकार का बड़ा सांप 16. हलकी-पतली और फूली हुई रोटी 17. मल्लाह, मांझी, केवट 19. सेना का वह खाद्य पदार्थ जो उसके साथ रहता है 21. फूलों का हार, लड़ी 22. तह, परत 23. (समय) व्यतीत करना, गुजारना

ऊपर से नीचे

1. व्यर्थ की बकबक, बेकार का प्रलाप (सं.) 2. रचना, काम, रची-बनाई हुई वस्तु (सं.) 3. मनोरंजक दृश्य, महाराष्ट्र की एक लोककला 4. कानून, नियम (सं.) 5. मरघट 6. विश्वास 10. एक स्थान पर रहने वालों या एक प्रकार का कार्य करने वालों का समुदाय 13. जल की धारा का कहीं से निकलना या गिरना 14. व्यर्थ 15. अटक-अटक कर बोलना 16 हवा भरकर फैलाना, चापलूसी करके किसी को फुलाना 18. सौतेली मां 20. सिर, जीता हुआ, तालाब

Solution 12381

आ	भा	स	■	म	■	त	खा
तु	षा	र	■	हा	सि	ल	■
र	■	■	■	म	क	ब	रा
ता	जी	रा	त	हि	न्द	■	म
■	व	ह	■	म	र	त	बा
■	न	गी	ना	■	■	क	ण
उ	दा	र	च	रि	त	■	■
स	न	■	ना	■	था	प	ना

ज्योतिषाचार्य पंडित प्रियंका नारायणशंकर व्यास, कोतवाली बाजार, जबलपुर (म.प्र.)

आज जिनका जन्मदिन है

वर्ष के प्रारंभ में अचानक धन लाभ का योग है. आत्म विश्वास में वृद्धि होगी. वर्ष केमध्य में राजनैतिक क्षेत्र में विवाद के कारण मन खिन्न रहेगा. वर्ष के अन्त में व्यक्तिगत संबंधों में सुधार होगा. मित्रों के सहयोग से व्यापार में लाभ होगा.

मेष और वृश्चिक राशि के व्यक्तियों को धन संकट का सामना करना पड़ेगा. वृष और तुला राशि के व्यक्तियों को साझेदारी में विवाद बढेगा. कर्क राशि के व्यक्तियों को राजनैतिक क्षेत्र में विवाद से खिन्नता रहेगी. सिंह राशि के व्यक्तियों को सामान्य लाभदायक स्थिति आयेगी. मकर और कुंभ राशि के व्यक्तियों को अचानक धन लाभ प्राप्त होगा. धनु और मीन राशि के व्यक्तियों को आत्म विश्वास में वृद्धि होगी. मिथुन और कन्या राशि के व्यक्तियों को व्यक्तिगत संबंधों का विकास होगा. कार्य व्यस्तता रहेगी.

आज जन्मे शिशु का भविष्य

आज जन्म लिया बालक बुद्धिमान चतुर, भावुक, कल्पनाप्रिय, एवं व्यवहार कुशल, दार्शनिक, हंसमुख और मिलनसार होगा. व्यवसायिक कार्यो में उन्नति करेगा. कानूनी शिक्षा में इनकी रूचि रहती है. माता पिता को सुखी रखेगा. धार्मिक और भक्त होगा.

मेष- अनावश्यक विवादों से बचें. निजी दायित्वों की पूर्ति होगी. मानसिक प्रसन्नता रहेगी. आकस्मिक व्यस्तता रह सकती है.

वृषभ- किसी खास व्यक्ति से मुलाकात होगी. मानसिक संतोष रहेगा. लाभ में कमी आ सकती है. अपना व्यवहार संयमित रखें प्रवास का योग है.

मिथुन- संतान पक्ष में संतोष रहेगा. शिक्षा के क्षेत्र में प्रगति होगी. व्यापार व्यवसाय अच्छा रहेगा. जल्दबाजी न करना ही हितकर और लाभकारी रहेगा.

कर्क- सामाजिक कार्यो में यश मिलेगा. कार्य की अधिकता रहेगी. नवीन योजना बनेगी. यश मिलेगा. नियमितता बनी रहेगी. परिश्रम अधिक करना पड़ेगा.

सिंह- स्वजनों का सहयोग रहेगा. नौकरी में वातावरण अनुकूल रहेगा. धार्मिक कार्य पूजापाठ में रूचि रहेगी. पद प्रतिष्ठा बनी रहेगी. नियोजित कामकाज बनने का योग है.

कन्या- धैर्य रखकर कार्य करना हितकर रहेगा. दैनिक जीवनचर्या में नियमितता रहेगी. पूज्य व्यक्ति की सलाह उपयोगी सिद्ध होगी. स्वजनों का ध्यान रखे.

तुला- उत्साह में वृद्धि होगी. अतिथि आगमन होगा. व्यवसायिक प्रतिष्ठा बनी रहेगी. निजी कार्यो में व्यस्तता रहेगी. यश, मान सम्मान और प्रतिष्ठा प्राप्त होगी.

वृश्चिक- धन, यश, कीर्ति में वृद्धि होगी. दूर दराज की यात्रा होगी. परिश्रम अधिक करना पड़ेगा. थकान महसूस कर सकते हैं. उदर विकार से कष्ट होगा.

धनु- अनचाही यात्रा का योग बनेगा. संबंधों में प्रगाढ़ता आयेगी. दायित्वों का निर्वहन होगा. अतिथि आगमन से व्यय बढ़ेगा. साहस बना रहेगा.

मकर- संतान आदि के कार्यो का निर्वहन होगा. महत्वपूर्ण काम बनेगा. रचनात्मक कार्यो की रूपरेखा पर विचार विमर्श हो सकता है. संयम रखें.

कुम्भ- शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में चल रहे प्रयास सफल होंगे. किसी खास व्यक्ति से मुलाकात होगी. शुभ संदेश मिलेगा. परिश्रम अधिक होगा.

मीन- पारिवारिक दायित्वों की पूर्ति होगी. मित्रता उपयोगी सिद्ध होगी. मानसिक प्रसन्नता रहेगी. आकस्मिक प्रवास का योग है. साहस संयम रखें.

उदयकालीन ग्रह चाल

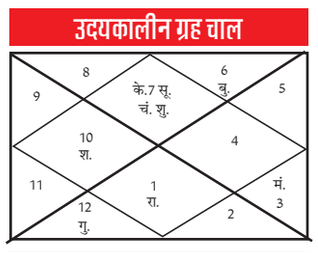

पंचांग

रा.मि. 26 संवत् 2083 भाद्रपद शुक्ल षष्ठी गुरूवासरे दिन 10/27, अनुराधा नक्षत्रे रात 8/42, विष्कुम्भ योगे दिन 2/51, तैतिल करणे सू.उ. 5/55, सू.अ. 6/5, चन्द्रचार वृश्चिक, पर्व- सूर्य षष्ठी व्रत, संतान सप्तमीं (मध्यान्ह में), मुक्ताभरण सप्तमीं, शु.रा. 8,10,11,2,3,6 अ.रा. 9,12,1,4,5,7 शुभांक- 0,3,7.

व्यापार भविष्य

भाद्रपद शुक्ल षष्ठी को अनुराधा नक्षत्र के प्रभाव से गुड़, खांड़, कपास, सन, सूत, पाट, बारदाना, खली, बिनौला, आदि के भाव में उतार चढ़ाव रहेगा. धनियां, सौंठ, अजवाईन, लालमिर्च, गरम मसाला, के भाव में तेजी होगी. भाग्यांक 4867 है.

SUDOKU 7514

7	8				2	6		3
			4					
1	3	5		8				
	2			1			7	8
6	7			9			2	
				6		5	9	2
					3			
2		8	5				6	1

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है. इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है. आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 333 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें. ■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते. ■ पहेली का केवल एक ही हल है.

नवभारत सू-दोकू 7513

4	3	2	9	5	6	1	7	8
6	8	5	7	1	4	9	2	3
9	1	7	3	8	2	4	5	6
3	4	8	6	2	7	5	1	9
5	6	1	8	4	9	2	3	7
2	7	9	5	3	1	6	8	4
1	9	3	4	7	5	8	6	2
8	2	4	1	6	3	7	9	5
7	5	6	2	9	8	3	4	1